



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 252]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 5, 2000/वैशाख 15, 1922

No. 252]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 5, 2000/VAISAKHA 15, 1922



वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 मई, 2000

सं. 56/2000-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 399(अ).—केंद्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 144/93-सीमाशुल्क, तारीख 28 जून, 1993 (सा.का.नि. 480(ड), तारीख 28 जून, 1993) को वहाँ तक अधिकान्त करते हुए जहाँ तक वह विदेशी क्रेता द्वारा प्रदाय किए गए स्वर्ण और चांदी के विरुद्ध स्वर्ण / चांदी के आभूषणों और वस्तुओं के निर्यात के लिए स्कीम के अधीन चांदी या स्वर्ण के आयात से संबंधित है सिवाय उन बातों के जो ऐसे अधिक्रमण से पूर्व की गई हैं या करने से रह गई हैं, अपना यह समाधान होने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अध्याय 71 के अंतर्गत आने वाले स्वर्ण / चांदी / प्लेटिनमत, स्वर्ण / चांदी / प्लेटिनम के अयस्क, फाइंडिंग्स और माउंटिंग्स और सादे अर्द्ध-तैयार स्वर्ण / चांदी / प्लेटिनम आभूषणों (जिसमें इसके पश्चात् “उक्त माल” कहा गया है) को जब उनका निर्यात और आयात नीति के पैरा 8.19 में निर्दिष्ट नामित अभिकरणों या विदेशी क्रेता द्वारा प्रदाय के विरुद्ध निर्यात के लिए स्कीम के अधीन प्रास्थिति धारकों द्वारा भारत में आयात किया जाए, उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट उन पर उद्ग्रहणीय संपूर्ण सीमाशुल्क और उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय संपूर्ण अतिरिक्त शुल्क से छूट देती है ;

परंतु यह तब जब कि नामित अभिकरणों द्वारा आयात की दशा में, आयातकर्ता या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि, ऐसे प्ररूप और ऐसी राशि के लिए जो सहायक सीमाशुल्क आयुक्त या उप सीमाशुल्क आयुक्त विनिर्दिष्ट करे, यथास्थिति, स्वर्ण / चांदी / प्लेटिनम आभूषणों या वस्तुओं का जिनके अंतर्गत आयातित स्वर्ण / चांदी / प्लेटिनम के समतुल्य स्वर्ण / चांदी / प्लेटिनम का अंश रखने वाली जटित वस्तुएं भी हैं, यथास्थिति, उक्त माल के आयातकर्ता और विदेशी प्रदायकर्ता के बीच सुसंगत संविदा में अनुबंधित अवधि या ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर जो सहायक सीमाशुल्क आयुक्त या उप सीमाशुल्क आयुक्त द्वारा पर्याप्त हेतुक दर्शित किए जाने पर अनुज्ञात की जाए, निर्यात करने के लिए स्वयं को वचनबंध करते हुए और मांग किए जाने पर स्वर्ण / चांदी / प्लेटिनम की उस मात्रा पर जो आयातित मात्रा और निर्यात किए गए आभूषणों या वस्तुओं में अंतर्विष्ट मात्रा के बीच के अंतर को जताते हुए शुल्क संदर्भ करने के लिए स्वयं को आबद्ध करते हुए बंधपत्र निष्पादित करता है :

परंतु यह और कि प्रास्थिति धारकों द्वारा आयात की दशा में, आयातकर्ता ऐसे प्रस्तुत में और ऐसी राशि के लिए जो सहायक सीमाशुल्क आयुक्त या उप सीमाशुल्क आयुक्त विनिर्दिष्ट करे, एक बंधपत्र निष्पादित करेगा और उक्त आयातित माल पर उद्घरणीय सीमाशुल्क के डेढ़ गुना के समतुल्य राशि के लिए एक बैंक गारंटी प्रस्तुत करेगा जिसके द्वारा वह, यथास्थिति, स्वर्ण / चांदी / प्लेटिनम आभूषणों या वस्तुओं का जिनके अंतर्गत आयातित स्वर्ण / चांदी / प्लेटिनम के समतुल्य स्वर्ण / चांदी / प्लेटिनम अंतर्वस्तु वाली जटित वस्तुएं सम्मिलित हैं, का आयात की तारीख से 120 दिन के भीतर, निर्यात करने के लिए वचनबंध करेगा और निर्यात और आयात नीति तथा प्रक्रिया पुस्तिका, खंड 1 की शर्तों को पूरा करने तथा निर्यात और आयात नीति और प्रक्रिया पुस्तिका, खंड 1 में अनुबंधित निर्यात बाध्यता और मूल्य संवर्धन प्राप्त करने का वचनबंध करेगा। निर्यात और आयात नीति या प्रक्रिया पुस्तिका, खंड 1 में यथा अनुबंधित मूल्य संवर्धन या निर्यात बाध्यता के पूरा न किए जाने अथवा 120 दिन की उक्त अवधि के भीतर निर्यात पूरा करने में असफल रहने पर शुल्क मुक्त आयात की तारीख से शुल्क के संदाय किए जाने की तारीख तक मांग किए जाने पर उक्त माल पर शुल्क और उक्त शुल्क पर 20 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज का संदाय करने के लिए स्वयं को आवद्ध करेगा।

स्पष्टीकरण— इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ,—

(क) “आयात और आयात नीति” से समय-समय पर यथा संशोधित भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. 1(आर.ई.-99) / 1997-2000, तारीख 31 मार्च, 1997 द्वारा अधिसूचित निर्यात और आयात नीति, 1997-2000 अभिप्रेत है ;

(ख) “प्रक्रिया पुस्तिका, खंड 1” से समय-समय पर यथा संशोधित भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. 1(आर.ई.-2000) / 1997-2000, तारीख 31 मार्च, 2000 की सार्वजनिक सूचना द्वारा प्रकाशित प्रक्रिया पुस्तिका, खंड 1 अभिप्रेत है ;

(ग) “नामित अभिकरण” से भारतीय खनिज एवं धातु व्यापार निगम लिमिटेड (एम.एम.टी.सी.), हस्तशिल्प और हथकरघा निर्यात निगम (एच.एच.ई.सी.), राज्य व्यापार निगम (एस.टी.सी.), भारतीय परियोजना और उपस्कर निगम लिमिटेड (पी.ई.सी.) और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्राधिकृत कोई अन्य अभिकरण अभिप्रेत है।

(घ) “प्रास्थिति धारक” से विदेश व्यापार महानिवेशालय द्वारा निर्यात गृह / व्यापार गृह / स्टार व्यापार गृह और सुपरस्टार व्यापार गृह के रूप में मान्यताप्राप्त निर्यातकर्ता अभिप्रेत है।

[फा. सं. 305/13/2000-एफ.टी.टी]

राजेन्द्र सिंह, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th May, 2000

No. 56/2000-Customs

G.S.R. 399(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962, (52 of 1962), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 144/93 –Cus , dated 28th June, 1993 [G.S.R. 480(E) dated the 28th June, 1993] in so far as it relates to import of silver gold under the Scheme for export of Gold/Silver jewellery and articles against Gold and Silver supplied by the foreign buyer except as respects things done or omitted to be done

before such supersession, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts gold/silver/platinum, alloys, findings and mountings of gold/silver/platinum and plain semi-finished gold/silver/platinum jewellery (hereinafter referred to as 'the said goods') falling within Chapter 71 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India by nominated agencies or status holders under the scheme for 'Export Against Supply by Foreign buyer' as referred to in paragraph 8.19 of the Export and Import Policy, from the whole of the duty of customs leviable thereon, which is specified in the said First Schedule, and from the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act:

Provided that in the case of import by the nominated agencies, the importer or his authorised representative executes a bond in such form or for such sum as may be specified by the Assistant Commissioner of Customs or Deputy Commissioner of Customs, undertaking himself to export gold/silver/platinum jewellery or articles, as the case may be, including studded articles having gold/silver/platinum content equivalent to the imported gold/silver/platinum within the period stipulated in the relevant contract between the importer and the foreign supplier of the said goods, as the case may be, or such extended period as the Assistant Commissioner of Customs or Deputy Commissioner of Customs may, on sufficient cause being shown, allow, and binding himself to pay on demand duty on quantity of gold/silver/platinum representing the difference between the quantity imported and that contained in the exported jewellery or articles:

Provided further that in the case of import by status holders, the importer executes a bond in such form and for such sum as may be specified by the Assistant Commissioner of Customs or Deputy Commissioner of Customs, and furnishes a bank guarantee for a sum equivalent to one and half times of the Customs duty leviable on the said goods imported, undertaking himself to export gold/silver/platinum jewellery or articles, as the case may be, including studded articles having gold/silver/platinum content equivalent to the imported gold/silver/platinum within 120 days from the date of import and to fulfil the conditions of Export and Import Policy and the Handbook of Procedures, Volume-I and to achieve the Export Obligation and Value Addition as stipulated in the Export and Import Policy and Handbook of Procedures, Volume-1 and binding himself to pay on demand duty on the said goods along with interest at the rate of 20% per annum on the said duty from the date of duty free importation till the date of payment of duty in case of non-fulfilment of Value Addition or Export Obligation as stipulated in the Export and Import Policy or Handbook of Procedures, Volume-I or in case of failure to complete the export within said period of 120 days.

Explanation.- for the purpose of this notification,-

- (a) "Export and Import Policy" means the Export and Import Policy, 1997 – 2002, notified by Government of India in the Ministry of Commerce vide notification No.1 (RE-99)/1997-2002, dated the 31st March, 1997, as amended from time to time;
- (b) "Handbook of Procedures, Volume-1" means the Handbook of Procedure, Volume-1, published vide Public Notice of the Government of India in the Ministry of Commerce, No.1 (RE-2000)/1997-2002, dated the 31st March, 2000, as amended from time to time;
- (c) "Nominated Agencies" means the Metals & Minerals Trading Corporation Limited (MMTC), the Handicraft and Handloom Export Corporation (HHEC), the State Trading Corporation (STC), the Project and Equipment Corporation of India Ltd.(PEC) and any agency authorised by the Reserve Bank of India (RBI);
- (d) "Status holder" means the exporter recognized as export house/ trading house/ star trading house and superstar trading house by the Director General of Foreign Trade.

[F. No. 305/13/2000-FTT]
RAJENDRA SINGH, Under Secy.